साँवरिया मने चाकर रख लो अपने द्वार का भजन लिरिक्स

साँवरिया मने चाकर रख लो,
अपने द्वार का,
हुकुम बजाऊँ मैं सरकार का,
साँवरिया मन्ने चाकर रख लो,
अपने द्वार का।bd।

गंगा जल स्नान कराऊ,
केसर चंदन तिलक लगाऊ,
बागा पहनाऊ रेशमदार का,
साँवरिया मन्ने चाकर रख लो,
अपने द्वार का।bd।

बाग बाग से कलिया लाऊ,
नित नित बाबा तुझे सजाऊ,
माला पहनाऊ मोतीनहार का,
साँवरिया मन्ने चाकर रख लो,
अपने द्वार का।bd।

खीर चुरमो भोग लगाऊ,
प्रेम भाव से तुम्हें जिमाऊ,
चंवर ढुराऊ मैं सरकार का,
साँवरिया मन्ने चाकर रख लो,
अपने द्वार का।bd।

अपना चाकर जान के बाबा,
मुझको अपना मान के बाबा,
मोती बनालें अपने हार का,
साँवरिया मन्ने चाकर रख लो,
अपने द्वार का।bd।

साँवरिया मने चाकर रख लो,
अपने द्वार का,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हुकुम बजाऊँ मैं सरकार का,
साँवरिया मन्ने चाकर रख लो,
अपने द्वार का।bd।

गायक / प्रेषक – गणेश राजपूत।
संपर्क – 9009204035

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com